वाट्सएप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 | अंक : 332 | शनिवार 1 अप्रेल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर का दीक्षांत समारोह

नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित: राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा सांस्कृतिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान, एवं कला-कौशल में वृद्धि कर सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाने का कार्य किया जाता है।

जयपुर/सीकर. कासं

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति को बहुत सोच-विचार कर विद्यार्थी हित में इस तरह से तैयार किया गया है कि विद्यार्थियों का इससे सर्वांगीण विकास हो। उन्होंने कहा कि इसमें इस बात का ध्यान रखा गया है कि विद्यार्थी किसी एक विषय विशेष में नहीं बल्कि थोड़ा-थोड़ा सभी विषयों में निष्णात हो । मिश्र शुक्रवार को सीकर जिले मे पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी शिक्षा का समुचित उपयोग समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए करें। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा सांस्कृतिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान, एवं कला-कौशल में वृद्धि कर सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाने का कार्य किया जाता है। उन्होंने आह्वान किया कि विश्वविद्यालयों ऐसी शिक्षा के केन्द्र बनें जिनके जरिए देश के लिए हम भविष्य के श्रेष्ठतम नागरिक तैयार कर सकें। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क की स्थापना के पीछे भी मंशा यही रही है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवा अधिकारों के साथ कर्तव्य बोध से भी जुड़े रहें । उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा क्रिकेट एवं अन्य खेलों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक पर्यटन, मानवाधिकारों, सामाजिक अंकेक्षण, साइबर क्राइम व फोरेंसिक साइंस जैसे विषयों का पाठ्यक्रम में समावेश किये जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ज्ञान के साथ जो कुछ हमारे आस-पास परिवेश में घटित हो रहा है, उससे भी सजग रहे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय में 17 ऐसे पाठ्यक्रम शुरू किए हैं जो रोजगारोउन्मुख हैं। विश्वविद्यालय में लोक शिक्षण की पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए हिस्ट्री म्यूजियम की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी विश्वविद्यालय का पूर्ण प्रयास है कि विद्यार्थियों को मूल्यों और नैतिक आचरण की शिक्षा दी जाए।

70 स्वर्ण पदक किए प्रदान

समारोह में राज्यपाल मिश्र द्वारा 70 स्वर्ण पदक श्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन वाले विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। समारोह में कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि, खेल स्नातक, स्नात्तकोत्तर, शिक्षा स्नातक, स्नात्तकोत्तर सहित अन्य संकायों के कुल एक लाख 77 हजार 146 विद्यार्थियों को वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 की उपाधियां वितरित की गईं। समारोह में जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव, पुलिस अधीक्षक करण शर्मा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजवीर सिंह चौधरी सहित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, प्रबंध मंडल सदस्य, शिक्षकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महावीर जन्म कल्याणक में आज भव्य भक्ति संध्या

जयपुर. शाबाश इंडिया। हर वर्ष की भांती 1008 श्री महावीर स्वामी भगवान का महाकल्याणकारी मंगलमय जन्म कल्याणक महापर्व के वार्षिक महोत्सव का शुभारंभ मन्दिर 1008 श्री महावीर स्वामीजी कालाडेरा गोपाल जी का रास्ता में 1 अप्रैल को सांय 06.30 बजे भक्ती संध्या & महाआरती के महाआयोजन से हो रहा है। उत्सव & आनन्द मे समर्पित भाव से श्री मन्दिरजी की शोभा मे श्रीभगवान की भक्ती मे उपस्थित रह भक्ती आनन्द मे & मेहमानो के इसी भाव से अपनी उपस्थित सुनिश्चित कर अपने ''उपस्थिती कर्तव्य पथ'' पर श्री मन्दिरजी पधारकर महाआयोजन मे धर्म लाभ ले & आयोजन की शोभा बढावे। विश्व मे 1008 श्री महावीर भगवान की खडगासन दर्शन मे विश्व मे सबसे बडा, सर्वोच्च स्थान प्रथम स्थान रखने वाले आपके हमारे अपने श्री महावीर भगवान कालाडेरा वाले गोपाल जी का रास्ता जयपुर मे सपरिवार उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

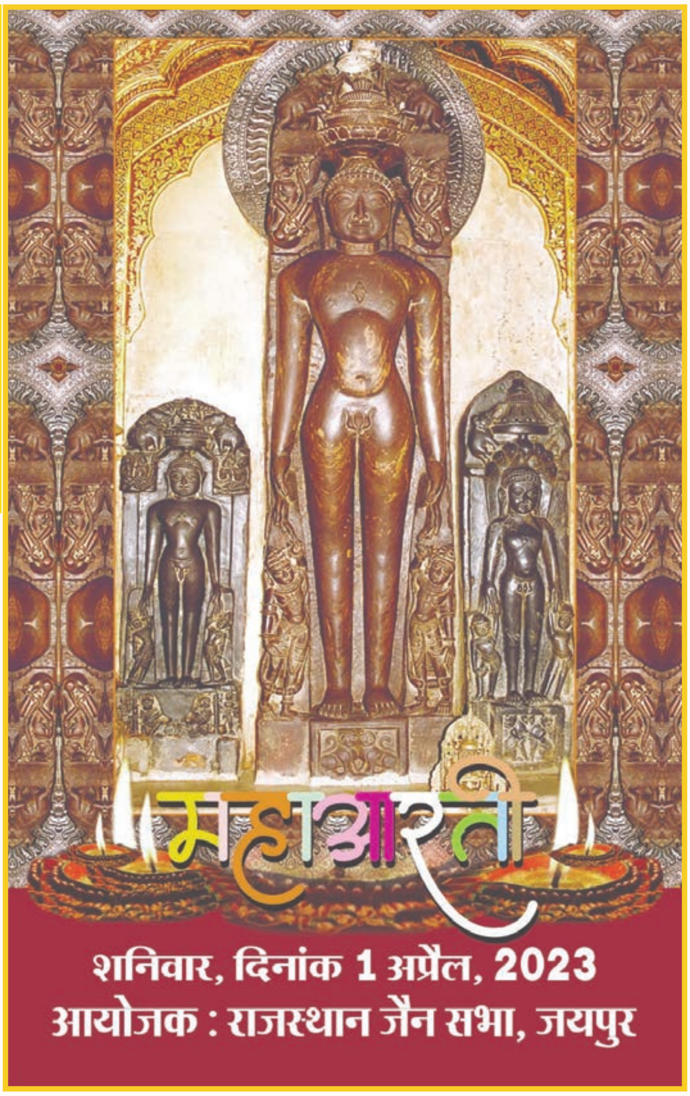

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 3 अप्रेल को

होंगे अनेक आयोजन

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। वर्तमान शासन नायक जीवों और जीने दो का संदेश देने वाले अहिसामय विश्व धर्म प्रवर्तक जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर श्री 1008 भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव जैन समाज द्वारा श्री जैन वीर मण्डल के तत्वावधान में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। अध्यक्ष सोभागमल गंगवाल ने बताया कि 2 अप्रेल को मानव सेवार्थ जैन समाज व सर्व समाज द्वारा महावीर भवन पुरानी धान मंडी में रक्तदान शिविर रखा गया है। जिसमे राजकीय चिकित्सालय की ब्लड सेन्टर, श्याम ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान संग्रहित किया जाएगा जिसके लिए युवा कार्यक्रता आम जन से सम्पर्क कर रहे हैं। सायंकाल अहिंसा सर्किल पर महिलाओं पुरुषों द्वारा दीपकों से आरती कर महावीर मंदिर डीडवाना रोड पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। तीन अप्रैल को सभी जिनालयों में सुबह कलशाभिषेक शान्तिधारा व विधान होंगे। प्रातः 8/30 बजे नागौरी मन्दिर जी से घटयात्रा श्री जी की सवारी के साथ जुलसू निकलेगा जो सदर बाजार पलटन गेट सब्जी मंडी नागौरी नशीयाजी में महावीर चौक पर 9/30 बजे अतिरिक्त जिला कलेक्टर कमला अलारिया, पुलिस अधीक्षक संजीव जी कटेवा व समाज के प्रमुख लोगों द्वारा झंडारोहण किया जाएगा। मन्दिर के अध्यक्ष सुमेर मल बज के बताया कि जुलसू बस स्टेंड अम्बेडकर सर्किल डीडवाना रोड होते हुए 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर जी महावीर उद्यान पहुंचेगा वहां कलशाभिषेक आरती व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे उसके पश्चात जुलूस 11/30 बजे वापस रवाना होकर डीडवाना रोड आथूना दरवाजा होते हुए वापस धान मंडी मन्दिर जी पहुंचेगा। सुभाष पहाड़िया के अनुसार दोपहर 4/30 बजे श्रीजी की रथयात्रा नागौरी मन्दिर जी से शुरू होकर पलटन गेट पुराना बस स्टेंड अम्बेडकर सर्किल आथूना दरवाजा उपासरा गली से होते हुए नागौरी मन्दिर जी पहुंचेगा। सायंकाल नागौरी मन्दिर जी में आरती सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे सभी महानुभाव अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखेंगे पुरुष सफेद व महिलाए केसरिया वस्त्र पहनकर पधारेंगे।

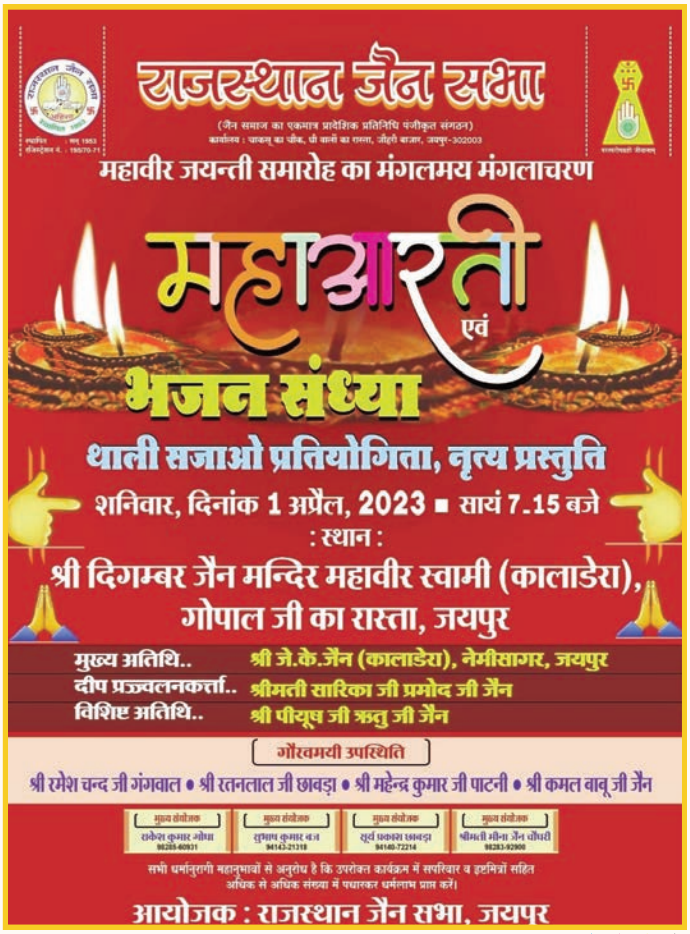

छाई राम जन्मोत्सव की खुशियां, गूंजे रामजी के जयकारे, बज उठी शहनाई चंग, खूब झूमे भक्तगण

सालासर बालाजी की अखण्ड ज्योत के साथ 1008 दीपक प्रज्वलित, गूंजी सुंदरकांड की चौपाईयां

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हर तरफ खुशी का मंजर था कोई चंग की थाप पर झूम रहा था तो कोई भगवान श्रीराम के जयकारे लगा रहा था। राम दरबार की झांकी सजने के साथ सुंदरकांड की चौपाईयां माहौल में भक्ति के रंग भर रही थी। दीप प्रज्वलन व रंगोली सजाने के साथ आतिशबाजी ने माहौल को और अधिक खुशनुमा बना दिया। ये नजारा गुरूवार रात धर्मनगरी भीलवाड़ा शहर के स्टेशन चौराहे पर दिखा जहां सनातन संस्कृति के आराध्य भगवान राम के जन्मदिन रामनवमी पर्व पर श्री राम मण्डल सेवा संस्थान की ओर से पहली बार सनातन नववर्ष आगमन का स्वागत करने के साथ भव्य रामजन्मोत्सव का आयोजन किया गया था। मौसम के बिगड़े मिजाज के बावजूद भगवान राम के जन्मोत्सव में सहभागी बनने के लिए शहरवासी उमड़ पड़े। देर रात तक चले इस आयोजन तहत सुंदरकांड पाठ के साथ गौरवमय सनातन संस्कृति के प्रतीक विभिन्न आयोजन किए गए। संस्थान के अध्यक्ष शांतिप्रकाश मोहता ने बताया कि आयोजन की शुरूआत सालासर बालाजी की अखण्ड ज्योत के साथ 1008 बड़े दीपक प्रज्वलित करके हुई। सालासर बालाजी की अखण्ड ज्योत कार्यक्रम के अंत तक जलती रही एवं आयोजन में शामिल होने वाले हर श्रद्धालु से तीन-तीन आहुतियां दिलाई गई। रामदरबार की भव्य झांकी सजाने के साथ केक काट जैसे ही रामजन्मोत्सव मनाया गया भव्य आतिशबाजी होने के साथ भक्त एक-दूसरे को राम जन्म की बधाईयां देने लगे। हर तरफ भगवान राम के जयकारे गूंजायमान होते रहे। आयोजन में मंच पर सुंदरकांड पाठ की भक्तिमय प्रस्तुति मुकनसिंहजी राठौड़ ने दी। इस प्रस्तुति में उनका साथ रामकुमार बाहेती, मंगलचन्द्र मिश्रा, किशन जाट,गोविंद बहेड़िया, अभयसिंह चुंडावत,जगदीश सोनी आदि ने दिया। आयोजन का विशेष आकर्षण रामजन्मोत्सव की खुशी मनाने के लिए चंग धमाल की आकर्षक प्रस्तुति रही। ये प्रस्तुति शेखावटी से आने वाले श्रीराम मण्डल सेवा संस्थान के कलाकार प्रहलाद शर्मा के नेतृत्व में राजपाल ढाका, बनवारी माली, जगदीश जाट, लक्ष्मणसिंह शेखावत, वासुदेव चारण,हंसराज जैन, अमित चोटिया, सुरेश चौधरी,अनिल तिवारी रामकुमार शर्मा, जसवंत खटोड़ भुपेंद्र गुर्जर, बलवीर मेघवाल, प्रताप सिंह, हरीश चौधरी, महेश जाट, शुभकरण शर्मा आदि के दल ने दी। इस दौरान बांसुरी,नगाड़े, सेक्सोफोन के साथ चंग बजाने के आकर्षक अंदाज ने भक्तों का मन जीत लिया। चंग की थाप पर कई श्रद्धालु भक्ति के सागर में डूबकी लगाते हुए जमकर झूम उठे। राम दरबार की सजाई गई सजीव झांकी ने भी भक्तों का मन जीत लिया। राम की भूमिका निवित माहेश्वरी, लक्ष्मण की भूमिका गर्वित माहेश्वरी, सीता की भूमिका गायत्री एवं हनुमान की भूमिका प्रांजल ने निभाई। रामजन्मोत्सव के तहत रंगोली उत्सव भी मना कर इसके माध्यम से आकर्षक रंगोली सजाई गई। महाआरती के बाद सवामणी का प्रसाद वितरित किया गया।

अतिथियों ने किया दीप प्रज्वलन, सुंदरकांड पुस्तिका का विमोचन

आयोजन में दीप प्रज्वलन सांसद सुभाष बहेड़िया, नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण डाड, अक्षय त्रिपाठी, पूर्व सभापति मंजू पोखरना,सीओ सिटी नरेंद्र दायमा, कोतवाल पुष्पा कासोटिया, भीलवाड़ा मजदूर संघ के अध्यक्ष पन्नालाल चौधरी, समाजसेवी कैलाश तापड़िया, मुरली तिवाड़ी, पूर्व पार्षद गोविंद गुर्जर आदि ने किया। अतिथियों का स्वागत श्रीराम मण्डल सेवा संस्थान के अध्यक्ष शांतिप्रकाश मोहता ने किया। अतिथियों ने संस्थान द्वारा प्रकाशित सुंदरकांड पुस्तिका का विमोचन भी किया।

नवीन सेन जैन दिगंबर जैन महासमिती के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मनोनीत

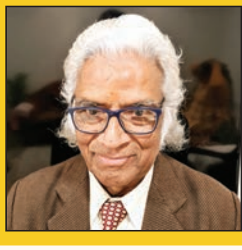

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या की अनुशंसा पर महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या ने हसमुख व्यक्तित्व के धनी नवीन सेन जैन को उनकी योग्यता को देखते हुए आगामी 4 वर्ष के लिए राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। उनकी नियुक्ति पर जैन समाज के गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई प्रेषित की।

राजकीय हाईस्कूल वस्त्रावन में प्रधानाचार्या की सेवानिवृत पर दी गई भावभीनी विदाई

ललितपुर. शाबाश इंडिया

राजकीय हाईस्कूल वस्त्रावन ब्लॉक बार में प्रधानाचार्य पद पर कार्यरत श्रीमती सुषमा यादव के सेवनिवृति होने पर शुक्रवार को राजकीय विद्यालय वस्त्रावन परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित समारोह को कई वक्ताओं ने संबोधित करते हुए सेवानिवृत प्रधानाचार्या के विद्यालय में शिक्षा के प्रति ईमानदारी पूर्वक किये कार्य, मधुर स्वभाव और कर्तव्य निष्ठा की चर्चा की। उच्च प्राथमिक विद्यालय वस्त्रावन के इंचार्ज प्र. अ. हाकिम सिंह यादव ने कहा कि सेवा में आने वाला का सेवानिवृत होना एक परंपरा है। जिसका हर किसी को पालन करना ही है। इनका शिक्षकों और छात्रों से हमेशा मधुर संबंध बना रहा। कार्यक्रम संचालन करते हुए डॉ. सुनील जैन संचय ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। ये सेवानिवृत्त जरूर हुई हैं पर सेवा के दायित्वों से नहीं। रिटायरमेंट किसी भी रोड का अंत नहीं है, बल्कि यह खुले हाईवे की शुरूआत है। विदाई समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना से विद्यालय की छात्राओं ने किया। स्वागत गीत मीनू चंदेल, नंदनी विश्वकर्मा, रजनी ने प्रस्तुत किया। काजल, दीक्षा आदि छात्राओं ने गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक - शिक्षिकाओं ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

वेद ज्ञान

सकारात्मक परिवर्तन लाएं...

जब इस बात की कोई संभावना न हो कि भविष्य में आपके जीवन में क्या होगा, तो आप के पास क्या उपाय बचता है? हममें से बहुत लोग इस विचार बिंदु पर निरुपाय ही रहते हैं, लेकिन यदि हम कुछ अलग तरह से सोचें तो पाएंगे कि यहीं से हममें सभी भौतिक व प्राकृतिक घटनाओं के प्रति एक उन्मुक्त दृष्टि जन्मती है। इसी से हमारे लिए हर जीवन अनुभव नया व विशेष बन जाया करता है। हम अपने परिवेश को उसके पुराने आवरण की तुलना में एक नए स्वरूप में देखने लगते हैं। यह सब कुछ हम सबके दैनिक जीवन में सामान्य रूप से घटता है। आवश्यकता इस घटनाक्रम को विशेष बनाने की होनी चाहिए। आप स्वयं सोचें कि आखिरी बार आपने अपनी मां को भोजन बनाते हुए कब देखा था? आपके सामने पका हुआ भोजन आ जाता है। आप उसे किसी तरह पेट तक पहुंचाने का ही कष्ट कर पाते हैं। यहां तक कि आप मां द्वारा प्रेमपूर्वक पकाए भोजन का मूल स्वाद भी नहीं चखते। हृदय से सोचें कि मां तरह-तरह के व्यंजन बनाने के लिए कितना परिश्रम करती है। उसके पाककला-कौशल द्वारा पूरे परिवार के भोजन की व्यवस्था करने में उसके उत्तरदायित्व के बारे में सोचें। कभी इस ओर भी ध्यान दें कि आपके सम्मुख बनकर तैयार भोजन कैसे व कितने समय में बना। इसे बनाने में किन-किन सामग्रियों को कितनी मात्रा में परस्पर मिलाया गया आदि। निश्चित रूप से यह सोचने के बाद आप मां के प्रति सुंदर भावनाओं की एक संपूर्ण नई दुनिया से भर जाएंगे। कितना कुछ है जीवन में। घर व बाहर चारों ओर बहुत कुछ फैला है जो हमें जीवन के बारे में मीठी भावनाओं से उन्मुक्त करने को तैयार है। घर, इसके द्वार व रोशनदान, सूर्य का प्रकाश व चांदनी के घर में बिखरे अमूल्य रत्न, मोहिनी हवा, पक्षियों की चहचहाहट, नीले नभ का शांतिपूर्ण विस्तार, इसमें विचरते पक्षी, धरती के अंदर अपनी समृद्ध जड़ों को गहराई तक फैलाए वृक्ष-वनस्पतियां, जलवायु का आकलन करते धरती से बाहर के इनके पत्र-पुष्प-शाख व उप-शाख, जीवन को सुगम बनाती असंख्य भौतिक वस्तुएं आदि।

संपादकीय

भड़काऊ भाषणों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय सख्त

राजनेताओं के नफरती और भड़काऊ भाषणों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर कड़ी टिप्पणी की है। एक मामले पर दो दिनों तक चली सुनवाई में अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा कि ऐसे नफरती भाषणों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय पहले भी अलग-अलग मामलों की सुनवाई करते हुए राजनेताओं और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों को सार्वजनिक मंचों से बोलते वक्त संयम बरतने की नसीहत दे चुका है, मगर इस प्रवृत्ति में कोई सुधार नजर नहीं आता। स्वाभाविक ही ताजा मामले में उसने इस पर तल्ख टिप्पणी की। दो न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि जब तक राजनीति में धर्म का समावेश होता रहेगा, ऐसे नफरती भाषणों पर अंकुश लगाना संभव नहीं होगा। भारत के लोग दूसरे समुदायों के लोगों का अपमान न करने का संकल्प क्यों नहीं लेते। अदालत ने जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके भाषणों को लोग दूर-दूर से सुनने आते थे। वैसी नजीर अब कोई नेता क्यों पेश नहीं करना चाहता। अदालत ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि लोग समुदाय विशेष को लेकर ही नफरती भाषणों के खिलाफ चुनिंदा तरीके से मुकदमे क्यों दर्ज कराते हैं। उनमें सभी समुदायों और पंथों के खिलाफ दिए गए नफरती भाषणों पर सख्ती क्यों नहीं दिखाई जाती।सर्वोच्च न्यायालय लंबे समय से ऐसे भाषणों, बयानों और तकरीरों के खिलाफ सख्त रहा है। करीब दो महीना पहले महाराष्ट्र में आयोजित सकल हिंदू समाज की रैली को लेकर निर्देश दिया था कि राज्य सरकार सुनिश्चित करे कि वहां कोई नफरती भाषण न होने पाए। उस रैली की वीडियो रिकार्डिंग का भी आदेश दिया था। जब जगह-जगह धर्म संसद करके समुदाय विशेष के खिलाफ नफरती और भड़काऊ भाषण दिए गए थे, तब भी अदालत ने सरकार को सख्त लहजे में इस पर काबू पाने को कहा था। मगर राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं और नेताओं को शायद ऐसे अदालती आदेशों-निर्देशों की कोई परवाह नहीं है। खुद सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात का उल्लेख किया है कि टीवी चैनलों पर आए दिन राजनीतिक दलों के प्रवक्ता सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले वक्तव्य देते रहते हैं। राजनेताओं से किसी भी ऐसे आचरण की अपेक्षा नहीं की जाती, जिससे सामाजिक ताने-बाने पर बुरा प्रभाव पड़ता हो। मगर इस दौर की राजनीति का स्वरूप कुछ ऐसा बनता गया है कि दूसरे धर्मों, संप्रदायों, समुदायों के खिलाफ नफरती भाषण देकर अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास किया जाने लगा है। जाहिर है, उसमें भाषा की मर्यादा का भी ध्यान नहीं रखा जाता। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी से स्पष्ट है कि इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए सरकारों को संजीदगी दिखाने की जरूरत है। नफरती भाषणों के खिलाफ सख्त कानून हैं, मगर चिंता की बात है कि पुलिस और प्रशासन ऐसे मामलों पर चुनिंदा ढंग से कार्रवाई करते देखे जाते हैं। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा तो केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि ऐसे अठारह मामलों में प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

एक सबक...

इजराइल में जिस तरह सरकार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरे और आखिरकार सरकार को घुटने टेकने पड़े, वह दुनिया की तमाम लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए एक सबक है। हालांकि यह विरोध प्रदर्शन पिछले करीब दस हफ्तों से चल रहा था और उसमें वहां के सरकारी महकमों के लोग भी शामिल हो गए थे। सेना के पायलटों ने भी उसे समर्थन दिया था। सेवानिवृत्त फौजी अफसर आंदोलन के समर्थन में थे। वहां का सबसे बड़ा मजदूर संगठन सड़कों पर उतर आया था। मगर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अभी परसों तक अपने फैसले पर अडिग थे। जब उनके फैसले के विरोध में वहां के रक्षामंत्री ने भी बयान दे दिया तो उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। उसके बाद आंदोलन तेज हो गया। राष्ट्रपति इसाक हरजोग ने प्रधानमंत्री को न्यायपालिका में आमूल-चूल बदलाव संबंधी अपनी योजना को तत्काल रोकने को कहा। दुनिया भर के इजराइली दूतावासों को संदेश भेज दिया गया कि वे कामकाज रोक दें, केवल अति आवश्यक काम ही निपटाएं। हवाई सेवाएं रुक गई थीं। ऐसे में यह संभावना बढ़ गई थी कि नेतन्याहू अपने कदम वापस खींच सकते हैं। इतने बड़े आंदोलन के बाद भी अगर नेतन्याहू अपने फैसले पर अड़े रहते, तो निस्संदेह उसके भयावह परिणाम की आशंका थी। दरअसल, पिछले महीने बेंजामिन नेतन्याहू ने संसद में वहां की न्यायपालिका में आमूल-चूल बदलाव संबंधी प्रस्ताव पारित करा लिया था। उसके तहत न्यायपालिका सीमित दायरे में ही काम कर सकती थी, उसके ऊपर सरकार का दबाव बना रहता। इसे लेकर लोगों में नाराजगी थी। उनका कहना था कि इससे लोकतंत्र कमजोर होगा। मगर नेतन्याहू का तर्क था कि इससे मतदाताओं को लाभ होगा। उनका मकसद केवल न्यायालयों को अपनी ताकत का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से रोकना है। मगर विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप था कि दरअसल, नेतन्याहू न्यायपालिका को अपनी मुट्ठी में कैद करके अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को खत्म करना चाहते हैं। इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति में सरकार का हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। इससे न्यायपालिका को किसी कानून को रद्द करने का अधिकार भी छिन जाएगा। यह बदलाव करके नेतन्याहू तानाशाह की तरह शासन करना चाहते हैं। फिर धीरे-धीरे इन प्रस्तावों के विरोध में प्रदर्शन इतना व्यापक और प्रचंड होता गया कि लोग नेतन्याहू के आवास के करीब तक पहुंच गए। सड़कें अवरुद्ध कर दी गईं। फिर अमेरिका ने भी नेतन्याहू को समझाया कि वे लोकतांत्रिक देश हैं और उन्हें लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में न्यायपालिका सरकारी कामकाज पर नजर रखने और उसे मर्यादित रखने का एक कारगर तंत्र होती है। दरअसल, न्यायपालिका लोकतंत्र के संवैधानिक मूल्यों का प्रहरी है। इसलिए कई बार सत्तापक्ष उसकी वजह से असहज महसूस करता है। इस मामले में इजराइल अकेले नहीं है, जहां न्यायपालिका पर नकेल कसने की कोशिश की जा रही थी। पूरी दुनिया में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं इसीलिए प्रश्नांकित होने लगी हैं कि उनमें से कइयों ने न्यायपालिका को कमजोर करके निरंकुश व्यवस्थाएं लागू करने का प्रयास किया है। हालांकि विरोध के स्वर हर जगह उठे हैं, मगर कई जगह सरकारें उन्हें दबाने में कामयाब रही हैं।

सोजत में नवदिवसीय आंयबिल तप ओली के अंतर्गत तीसरे दिन

अरिहंत तक ले जाने वाली आराधना है आंयबिल का तपः प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

सोजत। आंयबिल तप की तपस्या करने से मानव अपने अनंत कर्मों का क्षय करके पुण्य कर्म को बांध सकता है। श्री मरूधर केसरी गुरू सेवा समिति मे नवदिवसीय आयंबिल ओली तप आयोजन के अंतर्गत तीसरे दिन शुक्रवार को संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने आंयबिल ओली तप करने वाले सैंकड़ों तपस्वियों और श्रध्दांलूओ को आयंबिल तप का धर्मसभा मे महत्व बताते हुये कहां कि अनासक्ति से अरिहंत तक ले जाने वाली आराधना है कआयंबिल तप इस करने से मनुष्य अपने अनादि अनंत काल के अंतराय कर्मो को दूर कर सकता है कप्रभात मुनि और साध्वी डॉक्टर चेतना ने कहा कि आयंबिल करने से आत्मशक्ति तो बढ़ती ही है उसके साथ अपने मन पर काबू पा सकता है मनुष्य । गुरूसेवा समिति के विकास धोका ने जानकारी देते हुये बताया कि इसदौरान दौरान युवाप्रणेता महेश मुनि, उपप्रवर्तिनी मैनाकंवर, महासती इन्दुप्रभा, डॉक्टर दर्शनप्रभा ज्योति प्रभा आदि संतो और महासती मंडल का सानिध्य रहा तथा साध्वी डॉक्टर सुशीला ने आयंबिल तप करने भाई बहनो को आंयबिल की विधी बताई । केवल चन्द धोका, पदमचन्द धोका गौतमचन्द धोका, श्रीपाल धोका कस्तूरचन्द्र धोका, राजेश कोरिमूथा, सुरेश बलाई, कैलाश अखावत, बलवंत बलाई आदि अनेक गणमान्य श्रावको के साथ पाली की त्रिशला महिला मंडल कि बहनो के प्रतिनिधि मंडल की उपस्थिति रही । सभा का संचालन करते हुये प्रवीण बोहरा ने बताया कि दिन भर चलने.वाले कार्यक्रम के तहत प्रातः काल महेश मुनि, अखिलेश मुनि ने सामूहिक प्रार्थना करवाई। और आंयबिल आराधको ने सामायिक, स्वाध्याय और महामंत्र का जाप और एक साथ प्रतिक्रमण किया। तथा दोपहर मे सभी तपस्वियों को धोका परिवार के सदस्यों ने आंयबिल तप मे काम आने वाली वस्तुओं के द्वारा आंयबिल का पारणा करवाया। इस दौरान स्थानीय जैन समाज के अलावा जौधपुर पाली, भीलवाड़ा, बैगलोर, चेन्नई आदि क्षेत्रों के श्रध्दालूओ की उपस्थिति रही।

सामूहिक मंगलाचरण व भक्ति संध्या का आयोजन

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में प्रतिदिन पदमप्रभु महिला मंडल के संयोजन में सामूहिक मंगलाचरण भक्ति संध्या हो रहा है। मंडल की अध्यक्ष सरिता पाटोदी ने बताया कि भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक से महावीर जयंती तक प्रतिदिन मंदिर में रात्रि के 7:00 बजे श्रीजी की आरती के बाद एक माला णमोकार मंत्र का पाठ एवं भक्तामर स्त्रोत पाठ करने के बाद भक्ति संध्या का आयोजन हो रहा है। जिसमें महिलाएं पुरुष युवा भक्ति गीत की प्रस्तुति देकर वातावरण को धर्म में बना रहे हैं। इस अवसर पर कमलेश सेठी, मंजूषा जैन, कल्पना सोगानी, निशा जैन, मीनू पाटनी, अलका शाह ,लक्ष्मीकांत जैन, पूनम चंद सेठी, अशोक पाटोदी, प्रकाश पाटनी, चांदमल जैन राकेश जैन, ताराचंद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में धमार्लुगण मौजूद थे।

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

मुख्य प्रायोजक: R K GROUP, Kishangarh, Rajasthan, lasting impressions, WONDER CEMENT, EK PERFECT SHURUAAT, www.rkmarble.com | www.wondercement.com

सह प्रायोजक: ARL, ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक: समाचार जगत

विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से 32 स्थानों पर

रक्तदान शिविर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के लक्ष्य के साथ निम्न 32 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं ।

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		रक्तदान शिविर स्थल	शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर आयोजक			
	दिनांक	समय			अध्यक्ष	मंत्री/सचिव	सम्मानीय अतिथि	संयोजक
1.	1 अप्रैल	प्रातः 10 से 3 बजे तक	ARL Infratech Ltd. Village Dhami Khurd, bagru, N.H-8 Ajmer Hiway	ARL Infratech Ltd.	श्री नन्द किशोर, प्रमोद पहाड़िया	-------	-------	श्री मधु थानवी
2.	1 अप्रैल	प्रातः 10 से 4 बजे तक	Yash Boys PG Hostel 500 Surya Nagar, Near Gangotri Garden, Gopal Pura Bypass	सोशल एण्ड ब्लड एड सोसायटी	श्री राकेश गोदिका	श्री जयकुमार बड़जात्या	श्री अनिल जाट (स्व. श्री चौधरी रामनाथ जी बिजारणियां की पुण्य स्मृति में)	श्री मनीष लोंग्या, श्री सुधीर गोधा श्री अनिल रांवका, श्री अशोक सेठी
3.	1 अप्रैल	प्रातः 9 से 3 बजे तक	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट गली नं. 6, बरकत नगर, जयपुर	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट	श्री सौरभ जैन (डॉयरेक्टर)	अनिषा गोयल	-------	श्री जय सोनी श्री तरूण शर्मा
4.	2 अप्रैल	प्रातः 9 से 3 बजे तक	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर संघी जी सीटीएस बस स्टेण्ड, सांगानेर, जयपुर	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर समिति जैन सोश्यल ग्रुप महानगर	श्री प्रेमचन्द बज श्री संजय जैन आवां	श्री सुरेश कासलीवाल श्री सुनील गंगवाल	-------	श्री पुखराज-गितीका जैन श्री अभय-अनिता बोहरा
5.	2 अप्रैल	प्रातः 9 से 1 बजे तक	पार्श्वनाथ भवन नाटाणियों का रास्ता, चौड़ा रास्ता	श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबन्ध समिति	श्री देव प्रकाश खण्डाका	श्री ओमप्रकाश काला	श्रीमती ललिता जी जायसवाल (पार्षद)	श्री मुकेश जैन श्री रमेश गंगवाल श्री राजेश गंगवाल
6.	2 अप्रैल	प्रातः 9 से 2 बजे तक	अपेक्स इन्टरनेशनल स्कूल लालकोठी, जयपुर	जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल संगिनी फोरम, जयपुर	श्री अरूण-सुमन जैन श्रीमती मीना-सुनील चौधरी	श्री दिलीप-नमिता टकसाली श्रीमती अलका-सुधीर गोधा	श्री केशव (अज्जू जी)-सपना गोदिका (के.जी.जैम्स)	श्री संजय-मीनू जैन श्री ऋषभ-निशा जैन श्रीमती कविता-मंयक भोंच श्रीमती मिनाक्षी-मनीष जैन
7.	2 अप्रैल	प्रातः 10 से 1 बजे तक	एम्बीशन किड्स एकेडमी 62/121, प्रताप नगर, श्योपुर, मेन रोड़, सांगानेर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर एम्बीशन किड्स एकेडमी	डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' डॉ. मनीष जैन 'मणि'	श्री विजय चंद कासलीवाल डॉ. अलका जैन	-------	डॉ. शान्ति जैन 'मणि' श्रीमती अनिता जैन श्रीमती भूमि जैन
8.	2 अप्रैल	प्रातः 9 से 1 बजे तक	जय सागर फार्म हाऊस सिमलियां रोड़, नवग्रह जैन मन्दिर के पास, वाटिका	सोशल एण्ड ब्लड एड सोसायटी	श्री राकेश गोदिका	श्री जयकुमार बड़जात्या	श्री मनीष-शोभना लोंग्या श्री सन्नी-रिद्धि लोंग्या	श्री राजेश-रानी पाटनी श्री दिलीप-प्रमिला पाटनी
9.	2 अप्रैल	प्रातः 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर प्रांगण सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर	लाडो सामाजिक सेवा संस्थान "करो रक्तदान बनो महान"	श्री नितेश जैन श्री गौरी शंकर राजावत	श्रीमती मीनू जैन कु. हर्षिता जैन	श्री बाबूलाल जी, संदीप पाण्ड्या श्री सतीश अजमेरा श्री णमोकार जैन	श्री प्रद्युमन बाकलीवाल दीपक जैन, सौरभ अजमेरा सुमित पहाड़िया, सुनील चौधरी
10.	2 अप्रैल	प्रातः 8 से 2 बजे तक	वर्धमान हॉस्पिटल जयपुर रोड़, गंगापुर सिटी	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी	श्री विमल जैन गोधा	डॉ. मनोज जैन	वर्धमान हॉस्पिटल गंगापुर सिटी	श्री नरेन्द्र-नीता जैन नृपत्या
11.	3 अप्रैल	दोपहर 12 से 4 बजे तक	J B Distributors G-198-A, RIICO Ind. Area, Opp. K.P. Auto Pvt. Ltd., Mansarovar, Jaipur	J B Distributors	Raj Kumar Jain Neelam Kumar Jain	Pradeep Jain Madhu Sudhan Bihani Sudhanshu	Atal Jain, Vishwas Jain Ankit Jain, Amit Jain, Prateek Jain Gaurav Jain, Yash Jain	Ankit, Gaurav Rathi, Pankaj Godha, Abhishek Godha, Ravi Sogani Mehul Sogani, Ashish Jain, Shrawan Jain

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक: यश कमल - संगीता अजमेरा | परामर्शक: दर्शन - विनीता बाकलीवाल | समन्वयक: मनीष - शोभना लोंग्या

सह-समन्वयक :: विनोद - हेमा सोगानी, चक्रेश -पिंकी जैन, अनिल-प्रेमा रांवका राजेश - रानी पाटनी, अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या, संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश-सीमा बड़जात्या (अध्यक्ष) | अनिल-शशि जैन (संस्थापक अध्यक्ष) | निर्मल-सरला संघी (महासचिव)

महेन्द्र कुमार पाटनी (वरिष्ठ परामर्शक) | सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या (परामर्शक) | नवीन सेन-शशि जैन (परामर्शक)

यशकमल-संगीता अजमेरा (निर्वतमान अध्यक्ष) | अतुल-निलिमा बिलाला (पूर्व अध्यक्ष) | पारस-मंजू जैन (कोषाध्यक्ष)

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका (अध्यक्ष) | दिनेश-संगीता गंगवाल (परामर्शक) | मनीष-शोभना लोंग्या (कार्याध्यक्ष) | सुनील-सुनीता गोदिका (उपाध्यक्ष) | चक्रेश-पिंकी जैन (उपाध्यक्ष) | राकेश-रेणु संघी (उपाध्यक्ष) | महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल (उपाध्यक्ष) | अनिल-निशा संघी (सचिव)

कमल-मंजु ठोलिया (सांस्कृतिक सचिव) | राजेश-रितु छाबड़ा (संगठन सचिव) | राजेश-रानी पाटनी (संगठन सचिव) | प्रदीप-प्राची बाकलीवाल (संयुक्त सचिव) | चेतन-डॉ.अनामिका पापड़ीवाल (संयुक्त सचिव) | राजेन्द्र-कुसुम जैन (खेल सचिव) | अनिल-अनिता जैन (कोषाध्यक्ष)

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ❊ डॉ अनुपम-विनीता जैन ❊ सपन-रजनी छाबड़ा ❊ नितेश-मीनू पाण्ड्या ❊ विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ❊ अशोक सेठी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

मुद्रक : वर्धमान प्रिण्टर्स 9314263204

सर्राफा व्यवसायियों के लिए एच यू आई डी के सेंटर शहर के परकोटा के लिए ही जारी किए जाएं: कोटा व्यापार महासंघ

कोटा शहर को स्वच्छ सुंदर विकसित शहर बनाने का संकल्प लिया। ज्वेलर्स एसोसिएशन का होली मिलन समारोह संपन्न

कोटा. शाबाश इंडिया

ज्वेलर्स एसोसियेशन कोटा का होली स्नेह मिलन समारोह तलमव तलवंडी स्थित एक होटल पर संपन्न हुआ । समारोह के मुख्य अतिथि कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन, महासचिव अशोक माहेश्वरी थे । ज्वेलर्स एसोसिएशन के महासचिव ओम जैन सर्राफ एवं उपाध्यक्ष पंकज सोनी जोहरी, कोषाध्यक्ष गौरव सोनी ने संयुक्त रूप से बताया कि होली मिलन समारोह में संस्था के सभी सर्राफा व्यापारियों ने सपरिवार भाग लिया ।इस अवसर पर कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन, महासचिव अशोक माहेश्वरी ने कहा कि कोटा शहर में बड़ी-बड़ी कंपनियों के शोरूम स्थापित हो गए हैं बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सर्राफा व्यवसायियो के सभी सदस्यों को नई दिशा देनी होगी। उन्होंने हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन एच यू आई डी का सेन्टर कोटा मे एक ही होने से सर्राफा व्यापारियो को आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए बताया कि कोटा व्यापार महासंघ राज्य सरकार से कोटा मे और अधिक एच यू आई डी हॉलमार्क यूनीक आईडेंटिफिकेशन के सेन्टर स्थापित करने की मांग करेगा साथ ही राज्य सरकार को चाहिए कि एच यू आई डी के लाइसेंस सेन्टर शहर पुराने कोटा के लिए जारी करे क्योंकि सोना जेवर बनाने के कारीगर एवं आभूषण बनाने के सभी कारीगर एवं उससे जुड़ी हुई चीजों का मार्केट पुराने कोटा में ही है इसलिए हॉलमार्क सेंटर एवं एक यूआईडी सेंटर पुराने कोटा में ही स्थापित होना चाहिए पुराने कोटा में पर्यावरण विभाग की औद्योगिक क्षेत्र नए हॉलमार्क सेंटर खोलने की पाबंदी को भी खत्म करना चाहिए,क्योंकि आभूषण किमती होते हैं एच यू आई डी के लिए उन्हें औद्योगिक क्षेत्र जाना पड़ेगा, जो कि सर्राफा व्यवसायियों के शोरूम से लगभग 7 किलोमीटर दूर पड़ता है और सर्राफा व्यवसाई को इतनी भारी जोखिम लेकर औद्योगिक क्षेत्र में जाने से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, एवं लूटपाट की वारदात होने का भी अंदेशा बना रहेगा, ज्वेलर्स एसोसिएशन के महासचिव ओम जैन सर्राफ ने आगे बताया कि अगर किसी भी प्रकार के आभूषण चोरी के होने पर पुलिस प्रशासन सर्राफा व्यापारी को अनावश्यक परेशान कर गिरफ्तार करता है जिससे सर्राफा व्यापारी अपने आप को अपमानित महसूस करता है, पुलिस प्रशासन पूरा संज्ञान लेकर कार्यवाही करें अगर व्यापारी पर पुलिस प्रशासन किसी भी प्रकार का दबाव बनाता है तो व्यापार महासंघ को सूचित करें, व्यापार महासंघ ऐसी घटनाओं का पुरजोर विरोध करेगा। इस अवसर पर सभी व्यापारियों ने शहर को स्वच्छ सुंदर अतिक्रमण एवं प्रदूषण मुक्त एवं पार्किंग युक्त बनाने के लिए कोटा व्यापार महासंघ द्वारा चलाये जा रहे मिशन को सफल बनाने की शपथ ली और शहर को इंदौर की तर्ज पर स्वच्छ कोटा बनाने का संकल्प लिया ।इस अवसर पर ज्वेलर्स एसोसिएशन के महासचिव ओम जैन सराफ ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए व्यापार महासंघ से हॉलमार्क यूनिक आईडेंटिफिकेशन एच यू आई डी के सेन्टर की औद्योगिक क्षेत्र से पाबंदी हटाई जाए और पर्यावरण विभाग द्वारा पुराने कोटा शहर मे एच यू आई डी सेन्टर खोलने की इजाजत दिलवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की खरीदा हुआ पुराने सोने के जेवर सर्राफा व्यवसाई कस्टमर से लेता है और उसके बदले पेमेंट देता है या नहीं सोने के जेवर देता है, ऐसे में पुराना जेवर जो कस्टमर ने सर्राफा वव्यवसाई को दिया है वह अगर चोरी का निकल जाता है जबकि सर्राफा व्यवसाई कस्टमर से औपचारिक आईडी लेता है जिसे संपूर्ण रूप से चेक किया जाता है उसके बावजूद भी पुलिस प्रशासन सर्राफा व्यवसाई को परेशान करती है,सर्राफा व्यवसाई को अगर सर्राफा व्यापारी के पास वह पुराना जेवर पुलिस को मिल जाता है तो पुलिस व्यापारी को पकड़ कर थाने ले जाती है और प्रताड़ित करती है, पुलिस प्रशासन को चाहिए कि पूरा संज्ञान लेने के बाद उचित कार्यवाही करे। समारोह में चौथ माता स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष श्री आत्मदीप आर्य सोनू, श्री सर्राफा थोक विक्रेता व्यवसायिक संघ के अध्यक्ष अरुण जैन सचिव निर्मल जैनचौथ माता स्वर्ण रजत व्यापार समिति के अध्यक्ष आत्मदीप आर्य सहित कई सर्राफा व्यवसायी मौजूद थे।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सर्राफा व्यवसायियो के सभी सदस्यों को नई दिशा देनी होगी। उन्होंने हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन एच यू आई डी का सेन्टर कोटा मे एक ही होने से सर्राफा व्यापारियो को आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए बताया कि कोटा व्यापार महासंघ राज्य सरकार से कोटा मे और अधिक एच यू आई डी हॉलमार्क यूनीक आईडेंटिफिकेशन के सेन्टर स्थापित करने की मांग करेगा।

स्त्रियों पर दुराचार कब तक

शाबाश इंडिया

' दुष्कर्म ' यह शब्द लिखते हुए एक दर्द रिसता है मन कर भीतर, एक चित्कार उठती है आत्मा की कंदराओं से। कहां है स्वतंत्र आज की स्त्री? कितनी स्वतंत्र है? मंचों से महिला-स्वतंत्रता का जब ढोल पीटा जाता है तब मासूम बच्चियों से लेकर तमाम पीड़िताओं की आवाज कहां दब जाती है, कौन जानता है? जाने कितने वर्गों और 'दर्दों' में बंटी औरतों की जाने कितनी-कितनी पीड़ाएं हैं, महिला-कानूनों की एक लंबी सूची है जो उनके हक में खड़े हैं। कहां से शुरू करें हम महिलाओं के हक की असली लड़ाई? उसकी अपनी 'लूटी' जाती देह से, प्रताड़ित होते कोमल मन से, छले जाते अधिकारों से या निरंतर थोपे जा रहे दायित्वों से। प्रकृति ने स्त्री को कितना खूबसूरत वरदान दिया है, जन्म देने का, लेकिन दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए यही वरदान अभिशाप बनकर उनकी सारी जिंदगी को डस लेता है। ना सिर्फ वह स्त्री लांछित की जाती है बल्कि इस दुनियाँ में लाया गया वह नन्हा शिशु भी अपमानजनक जीवन जीने को मजबूर हो जाता है। इंसानियत की यह कैसी वीभत्स परीक्षा देनी होती है एक स्त्री को कि इंसान के नाम पर पशु बना व्यभिचारी कुछ सजा के बाद समाज में सहज स्वीकृत हो जाता है और वह बिना किसी गुनाह के सारी उम्र की गुनाहगार बना दी जाती है। मात्र इसलिए कि उसे भोग्या मानकर चंद दरिंदों ने अपनी हवस का शिकार बनाया है? अगर वह प्रतिकार करने में सक्षम नहीं है तो भी दोष उसका और अगर वह ऐसा करती है तो भी दोष उसका? पुरुष प्रधान समाज ने सारी व्यवस्था कर रखी है उसके लिए। गांवों में वह डायन करार दी जाती है और नग्नावस्था में सारे गांव के सामने टांग दी जाती है। वहीं शहरों में और भी अधिक अत्याधुनिक हथकंडे हैं उसे रास्ते से हटाने के। अगर यह सब नहीं भी हुआ तो तथाकथित 'इज्जत लूटने' जैसे शब्द की दुहाई भी उसी स्त्री को दी जाती है ताकि वह खुद ही खुद को अपवित्र मानकर आत्मघाती कदम उठा लें। आजकल हम टी वी पर देखते हैं अखबारों में पढ़ते हैं रेप या दुराचार की आठ दस घटनाएँ तो रोज हमारे संज्ञान में आती ही हैं कभी कभी ये घटनाएँ बहुत हृदयविदारक और नृशंस होती है जैसे गैंगरेप और तड़पाकर कर अमानवीय तरीके से की गयी हत्या छोटी छोटी बच्चियों से दरिंदगी बाप या भाई या सगे सम्बन्धी द्वारा बारम्बार रेप और

सम्बंधित महिला या लड़की की कोई मजबूरी का फायदा उठाकर उसके साथ रेप ये सब देख या सुनकर हम आप क्या करते हैं ? कुछ लोग कहते हैं लड़कियों का खुलापन समाज में उन्हें मिली नयी नयी आजादी उनके पहनावे फैशन कुछ लोग लड़कियों की भ्रूण हत्या और इसके परिणाम स्वरूप उत्पन्न स्त्री पुरुष अनुपात में भयंकर अंतर जो हमारे देश के विभिन्न भागों में बहुतायत है कहीं कहीं ये प्रति हजार सात सौ या इससे भी कम है तो इस स्थिति में बहुत सारे लड़के कुँवारे रहने पर मजबूर हैं और शारीरिक भूख के चलते अपराध जन्मते हैं। स्त्रियाँ हमारे समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं वो माँ भी है बहन भी बेटी भी और बीबी भी विभिन्न रूपों में वे हमारे जीवन का अंग हैं उनके बिना समाज की कल्पना नहीं हो सकती वे नये जीव को संसार में लाती हैं पाल पोस उसे बड़ा करती है उन्हें हम उपेक्षित कैसे छोड़ सकते है तो क्या किया जाय जिससे रेप या दुष्कर्म पर काबू पाया जा सके? समाधान की दिशा में पहल अब स्त्री को ही करनी होगी जिसे प्रकृति ने शक्ति का भी रूप दिया है। अगर इस देश का कानून रूस के कानून की तरह दुराचारियो को नपुंसक बना देने का साहस नहीं दिखा सकता तो कम से कम स्त्री को तो इतना ताकतवर बनाए कि वह स्वयं जब दुराचारी को दंड दे। और जब वह अत्याचारी को दंड दे तो उसके हिस्से में आई कानूनी जांच का मानवीय दृष्टि से मूल्यांकन हो। क्या ऐसा हो सकेगा??

पूजा गुप्ता: मिर्जापुर उत्तर प्रदेश

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

जिन्दगी जीने का मकसद तो सूकून का ही था...लेकिन क्या करें...? कोई मन्दिर चला गया तो कोई होटल मधुशाला...!

आज के इस दौर में रोज नये-नये होटल खुल रहे हैं, जिसमें स्वाद के नाम कचरा और जहर परोसा जा रहा है। यही कारण है शरीर फैलने का, बीमारियों से - झूझने का, घर परिवार में अशान्ति और तनाव बढ़ने का। पहले हमारे घर परिवार में माता बहिनें, शादी-ब्याह में गृहकार्य में हाथ बंटाने जाती थी और अब नृत्य सीखकर, महिला संगीत में नृत्य करने, दिखाने और देखने के लिये जाती हैं। अक्सर जो महिला घर के - काम के समय बीमार पड़ जाती है, वही महिला संगीत में घंटों डान्स करती हैं। मैं किसी कवि की ये पंक्ति सदा गाता गुनगुनाता रहता हूँ- मुझको मेरा प्यारा भारत देश चाहिए... धोती, कुर्ता, साड़ी, लहंगा भेष चाहिए। साड़ी नहीं पहनना और घुंघट नहीं डालना यहाँ तक तो ठीक है लेकिन ऐसे वस्त्र पहनना जिनसे न शरीर ढ़कता हो न दिखने में कुछ बचता हो । प्रभु जाने क्या होगा आगे...! छोटे-बड़े की शर्म या डर सब खत्म हो गया। जितने छोटे, ओछे कपड़े पहनकर आप शादी पार्टी में जाते हैं, उतने आपके अपने लोग खुश होते हैं और आँखों के इशारे में एक दूसरे से कहते हैं- क्या आइटम आया...! आज के इस दौर ने लोक लाज, खान-पान, रहन-सहन और भारतीय संस्कृति का सत्यानाश कर दिया। यदि हमने इन सब पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाला समय आपके लिये खतरनाक साबित हो सकता है।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महावीर इंटरनेशनल का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आज

वीर अनिल जैन लेंगे शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

''सब को प्यार'' ''सब की सेवा'' व 'जिओ और जीने दो' के आदर्श भाव के साथ देश भर में सेवा में जुटी महावीर इंटरनेशनल की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण 1 अप्रैल 2023 को सायं टोंक रोड़ स्थित इंद्रलोक ऑडीटोरियम में होगा। वीर सी ए अनिल जैन अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की शपथ लेंगे व उनके साथ अंतर्राष्ट्रीय महासचिव पद पर अजमेर के वीर अशोक गोयल तथा अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद पर दिल्ली के वीर सी ए सुधीर जैन शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर के पूर्व न्यायधीश जे के रांका उपस्थित रहेंगे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में निवर्तमान अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर एस के जैन (रिटायर्ड आई पी एस) पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर राज लोढा, वीर पुष्प जैन, वीर वी एस बापना भी मौजूद रहेंगे।

हम तुम्हारी कसम तोड़ दे, तुम हमारी कसम तोड़ दो...पर खूब लगे ठहाके और बरसे गीत

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतर राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जयपुर सेंट्रल व लॉयंस क्लब जयपुर डायमंड के संयुक्त तत्वावधान में व मणिपाल हॉस्पिटल के सहयोग से होली मिलन समारोह के अवसर पर उत्सव सभागार में हास्य व्यंग कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस मौके पर कवियों ने हम तुम्हारी कसम तोड़ दे, तुम हमारी कसम तोड़ दो...जैसी कविताओं से उपस्थित श्रोताओं की खूब दाद पाई और ठहाके लगवाए। अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि कवि सम्मेलन मे प्रख्यात कवि अरुण जैमिनी, विष्णु सक्सेना, विनीत चोहान, सर्वेश अस्थाना, अजय अंजाम, पीके मस्त, श्वेता सिंह, योगिता चैहान ने अपनी रचनाओं से सभी श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। महासचिव संजय पाबूवाल व मुख्य समन्वयक शरद काबरा ने बताया की कार्यक्रम की शुरूआत ईश वंदना व अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर की गई। समारोह की अध्यक्षता समाज सेवी नरेश मेहता ने की। समारोह के विशिष्ट अतिथि उप महापौर पुनीत कर्णावत, पूर्व महापौर मोहन लाल गुप्ता, सीताराम मंगला, राजस्थान वैश्य फैडरेशन के अध्यक्ष एनके गुप्ता, महासचिव गोपाल गुप्ता, प्रदेश प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, युवा विंग अध्यक्ष जेडी महेश्वरी, महिला विंग अध्यक्ष ज्योति खंडेलवाल के

अलावा विभिन्न समाजों के अध्यक्ष व बड़ी संख्या में वैश्य पार्षद, वैश्य बंधु व लायंस क्लब के मेंबर्स उपस्थित थे। संचालन एंकर प्रीति सक्सेना ने किया। कार्यक्रम के समन्वयक संजीव घीया, कैलाश अग्रवाल, रमेश खंडेलवाल, विनीत जैन रहे। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक शरद काबरा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री मंशापूर्ण मित्र मंडल द्वारा 24वें हनुमान जन्मोत्सव का पोस्टर विमोचन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मंशापूर्ण मित्र मंडल की ओर से 6 अप्रैल को 24वां भव्य हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जन्मोत्सव के पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को बदनोर की हवेली स्थित मंशापूर्ण हनुमान मंदिर में हुआ। इससे पूर्व रामनवमी पर भट्ठी पूजन किया गया।पोस्टर विमोचन के दौरान मंदिर पुजारी पवन शर्मा, मंडल संरक्षक भूपेश मेहता, अध्यक्ष राजेश तोषनीवाल, किरण कुमार जैन, अंकित भावसार, कोमल अजमेरा, सुमित अजमेरा, हुकम सिंह तंवर, पूरणसिंह देवडा, सुनील झंवर, अभिषेक श्रीमाल समेत कई हनुमान भक्त मौजूद थे।251 कलश के साथ निकलेगी शोभायात्रासंरक्षक भूपेश मेहता ने बताया कि जन्मोत्सव के तहत 5 अप्रैल सुबह 6:30 बजे से अखंड रामायण पाठ शुरू होगा जो अगले दिन अल सुबह तक चलेगा। 6 अप्रैल को महारुद्राभिषेक और 7:15 बजे पंचामृत अभिषेक के बाद हनुमान जी को 1100 मीटर की सुसज्जित पाग धराई जाएगी। 11 बजे 251 कलश के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसमें अखाड़ा प्रदर्शन, एक गजराज की सवारी, ग्यारह घोड़े, ऊंट बग्गी, श्री राम, हनुमान, महादेव की विभिन्न झांकियां शामिल होगी। बता दें, शोभायात्रा हनुमान मंदिर से मीठाराम मंदिर होते हुए भट्टियानी चोहट्टा, जगदीश चौक, घंटाघर से पुनः श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पहुंचेगी।हजारों लोग लेंगे

महाप्रसादी का लाभमंडल अध्यक्ष राजेश तोषनीवाल ने बताया कि करीब 3500 हनुमान भक्तों की टीम इस जन्मोत्सव को सफल बनाने में पिछले 1 महीने से लगी हुई है। श्री हनुमान के जन्मोत्सव पर 56 भोग एवं महाप्रसादी की तैयारी में 101 कारीगरों की टीम लगी हुई है। तोषनीवाल ने बताया कि 6 अप्रैल को शोभायात्रा का समापन गुलाबबाग रोड स्थित हेमराज राष्ट्रीय व्यायामशाला में

कलश शोभायात्रा, छप्पन भोग, महाप्रसादी, भजन संध्या समेत होंगे कई धार्मिक आयोजन

होगा जहां भव्य भजन संध्या और महाप्रसादी में करीब 30 से 35 हजार भक्त महाप्रसाद का लाभ लेंगे। इस दौरान श्री मंशापूर्ण महादेव मित्र मंडल के साथ ही सेंकडो भक्तों द्वारा महाआरती की जाएगी।

रिपोर्ट/ फोटो:
राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939

जगतपुरा में होगा भव्य प्रभातफेरी जूलुस एवं वाहन रैली का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन पुनीत अवसर पर श्री शांतिनाथ दि जैन मंदिर मेन मार्केट की ओर से भव्य प्रभातफेरी जूलुस का आयोजन 2 अप्रैल रविवार को किया जायेगा कार्यक्रम संयोजक विनोद पापडीवाल, हनुमान जैन ने अवगत कराया कि प्रमुख समाजसेवी श्रीमती सुमित्रा जैन भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर जूलुस का शुभारंभ करने के पश्चात भगवान महावीर स्वामी के चित्र को बग्गी में विराजमान कर जूलुस निकाला जायेगा वीर प्रभु का सारथी बनने का सौभाग्य दीपक डॉक्टर ऊषा सेठी को प्राप्त होगा ।जिसमें श्री शांतिनाथ जैन महिला मण्डल द्वारा भजनों की विशेष प्रस्तुति होगी एवं जगतपुरा जैन समाज के वीर प्रभु भक्तों की टोली ग्रुप द्वारा दुपहिया वाहन रैली का मुख्य आयोजन जूलुस में रहेगा जो पुरे जूलुस मार्ग में विश्व वंदनीय भगवान महावीर स्वामी के उपदेशों का पुरे भक्ति के साथ गुणगान करेगी जूलुस मंदिर से रवाना होकर मेन मार्केट होते हुए गोल्डन डोम श्री राम विहार पुरुषार्थ नगर विवेक विहार होते वापस मंदिर जी पहुंचेगी।

प्राणी सेवा पशु पक्षी कल्याण के लिए कमल लोचन सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

पशु पक्षी सेवा और प्राणी कल्याण के लिए राजस्थान जन मंच के संस्थापक कमल लोचन सम्मानित हुए। लोचन को यह सम्मान सीनियर आर्टिस्ट एसएन शर्मा, गौरैया संरक्षण अभियान के प्रमुख सौभागमल शाह, वरिष्ठ कलाकार जग्गू प्रसाद, राजस्थान जनमंच के कार्यकारी अध्यक्ष अभय नाहर सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी सुधींद्र गेमवत के आतिथ्य में हुए समारोह में सम्मानित किया गया। इस मौके पर आर्टिस्ट एसएन शर्मा ने गौरैया पक्षियों के संरक्षण के लिए एक विशेष इस्कलप्लस तैयार कर कमल लोचन को भेंट किया। कमल लोचन को यह सम्मान लगातार पशु पक्ष और पर्यावरण संरक्षण के लिए तथा 25 वर्षों से निशुल्क पक्षी चिकित्सालय के संचालन एवं गौरैया चिड़िया के संरक्षण के लिए प्रदान किया गया। विगत वर्ष भी कमल लोचन की ओर से जीव बचेंगे हम बचेंगे अभियान के माध्यम से पशु-पक्षी कल्याण के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य किए गए हैं।

उज्जवला योजना के बारे में विस्तार से समझाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

एस एस जैन सुबोध पीजी महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विशाल गौतम ने घर घर जाकर महिलाओं को उज्जवला योजना के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि किस तरीके से केंद्र और राज्य सरकार उज्वला योजना को प्रोत्साहित कर रही है। किस तरीके से और अधिक महिलाएं इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठा सकती है। इस साक्षात्कार में इसमें रचना शर्मा, लक्ष्मी शर्मा,बादाम देवी खंगार, मनीषा शर्मा सीता शर्मा आदि कई महिलाओं को बताया की आप इस योजना से किस तरीके से जुड़ सकते है। डॉ गौतम द्वारा करीब 30 महिलाओं को बताया गया कि आप बैंक मैं खाता खुला कर इस योजना के अंतर्गत सिलेंडर ले सकते है।